डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
शुक्रवार
28.10.2022
कार्तिक शुक्ल पक्ष 03
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

खुशी उनको नहीं मिलती जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जिया करते हैं। खुशी उनको मिलती है, जो दूसरों की खुशी के लिए अपनी शर्तें बदल लिया करते हैं।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-14 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

सरकारी स्कूल के बच्चों को निजी स्कूल के तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की प्रक्रिया शुरू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा-निर्देश में सरकारी स्कूल के बच्चों को निजी स्कूल के तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इसके लिये राज्य के आदर्श विद्यालय कार्यक्रम में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। सरकार ने इन स्कूलों के शिक्षकों को चेंजमेकर के रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिये मॉडल स्कूल में पढ़ानेवाले प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन भी प्रशिक्षण प्रदान दे रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में विशेष तौर पर अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और हिंदी विषय पर ध्यान दिया जा रहा है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को आदर्श विद्यालय के स्कूल हेडमास्टर, डाइट फैकल्टी, विषय विशिष्ट मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रमुख हितधारकों के क्षमता वृद्धि कार्यक्रम की अवधारणा और संचालन के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन सहयोग कर रहा है। मालूम हो कि मॉडल स्कूल के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को आईआईएम

जैसे संस्थान भी प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

10 माह की रुपरेखा तैयार : यह कार्यक्रम राज्य के करीब चार हजार मॉडल स्कूलों के लिए एक प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के पहले चरण में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने चेंजमेकर के रूप में चिन्हित 80 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ 10 महीने के व्यापक प्रशिक्षण की रूपरेखा के तहत स्कूल के लिए बेहतर विजन विकसित करना, स्कूल में गुणवत्ता में सुधार, गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व क्षमता में वृद्धि, सीखने की संस्कृति का विकास, सीखने के माहौल का निर्माण समेत अन्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

ये भी होगा कार्य

10 माह के प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की योजना बनायी गयी है। इसके जरिये माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर यानि नौवीं से 12वीं कक्षा तक पढ़ानेवाले शिक्षकों की विषय विशेषज्ञता की पहचान की जायेगी। 150 डाइट संकायों के लिए व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें डाइट्स के विजुअलाइजेशन और कार्य के विवरण को शामिल किया जायेगा। इस योजना के तहत प्रत्येक पांच दिनों में कुल तीन कार्यशालाएं आयोजित होंगी। जहां अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिंदी और विज्ञान के 200 विषय विशिष्ट मास्टर प्रशिक्षकों की क्षमता विकसित करने का कार्य होगा।

छठ महापर्व की तैयारियां शुरू, नहाय खाय आज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में दीपावली समाप्त होते ही छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई है। चार दिन तक चलने वाला छठ एक साधारण पूजा नहीं बल्कि महापर्व है। जिसकी शुरूआत नहाए-खाए के साथ आज से ही शुरू होगा। दूसरे दिन 29 को खरना पूजा आयोजित होगा।उसके अगले दिन डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का समापन होगा। 30 को पहला व 31 को दूसरा अर्घ्य होगा।नहाय खाय के साथ ही अगले दिन से 36 घंटे की निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा और सुबह के अर्घ्य के साथ ही संम्पन्न होगा। नहाय खाय में कद्दू व भात का विशेष महत्व है वही खरना में खीर का जबकि प्रसाद में ठेकुआ का महत्व बहुत है।

छठ पूजा की क्या है परंपरा : छठ पर्व से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। कार्तिक मास में भगवान सूर्य की पूजा की परंपरा है। शुक्ल पक्ष में षष्ठी तिथि को इस पूजा का विशेष विधान है। इस पूजा की शुरूआत मुख्य रूप से बिहार और झारखण्ड से हुई जो अब देश-विदेश तक फैल चुकी है। अंग देश के महाराज कर्ण सूर्य देव के उपासक थे। इसलिए परंपरा के अनुसार इस इलाके पर सूर्य पूजा का विशेष प्रभाव दिखता है।

क्यों होती है सूर्य की विशेष उपासना : पुरोहित ओम पाठक के अनुसार कार्तिक माह में सूर्य अपनी नीच राशि में होता है। इसलिए सूर्य देव की विशेष उपासना की जाती है, ताकि स्वास्थ्य की समस्याएं परेशान ना करें। षष्ठी तिथि का सम्बन्ध संतान की आयु से होता है। इसलिए सूर्य देव और षष्ठी की पूजा से संतान प्राप्ति और उसकी आयु रक्षा दोनों हो जाती है। विज्ञान के अनुसार इस माह में सूर्य उपासना से से हम अपनी ऊर्जा और स्वास्थ्य का बेहतर स्तर बनाए रख सकते हैं।

महापर्व छठ पूजा की विधि : यह पर्व कुल मिलाकर चार दिनों तक चलता है। इसकी शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से होती है और सप्तमी को अरुण वेला में इस व्रत का समापन होता है। कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को 'नहाए-खाए' के साथ इस व्रत की शुरूआत होती है। इस दिन से स्वच्छता की स्थिति अच्छी रखी जाती है। पहले दिन लौकी और चावल का आहार ग्रहण किया जाता है।

खरना के दिन खीर का विशेष महत्व : छठ के दूसरे दिन को 'खरना' कहा जाता है। इस दिन लोग उपवास रखकर शाम को खीर का सेवन करते हैं। तीसरे दिन उपवास रखकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। साथ में विशेष प्रकार का पकवान 'ठेकुआ' और मौसमी फल चढ़ाया जाता है। अर्घ्य दूध और जल से दिया ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मामा के घर पहुंचकर सीएम ने मनाया सोहराय पर्व

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को धाधकीडीह, चांडिल, सराईकेला-खरसावां में ग्रामीणों के साथ सोहराय पर्व मनाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सराईकेला-खरसावां जिला प्रशासन द्वारा धाधकीडीह, चांडिल में गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वे सोहराय पर्व मनाने मामा के घर आये हैं। इस मौके पर रिश्तेदार और मेहमान आये हुए हैं तथा पर्व को लेकर गांव में काफी उत्साह है। सभी आदिवासी भाई-बहनों को इस त्योहार की शुभकामना देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परंपरागत त्योहार है और सभी लोग अपने गांव पहुंचकर त्योहार का आनंद लेते हैं। कोरोना के बाद त्योहार मनाने का मौका मिल रहा है जो अच्छा लग रहा है। कई छोटे बच्चे बड़े हो गये हैं उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है। एक सवाल के जवाब में श्री सोरेन ने कहा कि छठ व्रतियों की सुविधा को लेकर घाटों का जायजा लिया गया है तथा साफ-सफाई और सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। सभी लोग छठ पर्व को हर्ष और उल्लास के साथ मनायें यही उनकी शुभकामना है।

पांच लाख का इनामी सब जोनल कमांडर के साथ तीन उग्रवादी गिरफ्तार

लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी पांच लाख के इनामी सब जोनल कमांडर विराज गंझू उर्फ राकेश जी को एके-47 के साथ अन्य तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार करने पर लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस तीनों उग्रवादियों के पास से एके-47 के साथ साथ भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया है। लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के डाकादिरी के जंगल में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के 15 से 20 हथियारबंद उग्रवादी दस्ता किसी उग्रवादी हिंसा को अंजाम देने को लेकर कोल व्यवसाई, ट्रांसपोर्ट, ईट भट्ठा व्यवसाई ,संवेदक, क्रशर मालिकों को फोन कर रंगदारी मांगते हुए लेवी का पैसा लेने के इरादे से इकट्ठा हुए हैं। इस सूचना के सत्यापन करते हुए एक विशेष अभियान चलाकर दो टीम गठित कर दो भागों में बांटा गया। जिसमें पहला पुलिस टीम जैसे ही डाकादिरी जंगल पहुंचा तो पुलिस बल तो देखते ही कुछ हथियारबंद उग्रवादी भागने लगे। भागने के क्रम में एक उग्रवादी को खदेड़कर एके-47 लोडेड एवं कारतूस एवं अन्य सामानों के साथ पकड़ा गया। पुलिस के द्वारा पकड़े गए उग्रवादी से नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम विराज गंझू उर्फ राकेश जी पिता सुखदेव गंझू उर्फ रामेश्वर गंझू चतरा जिले के कुंदा थाना के कारीमादर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के सब जोनल कमांडर बताया। जबकि दूसरी टीम के द्वारा एक उग्रवादी को देसी कट्टा एवं 10 जिंदा गोली के साथ पकड़ा गया। जिसे पुलिस के द्वारा नाम पता पूछने पर टीएसपीसी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन का एरिया कमांडर नथुनी सिंह उर्फ नथुनी जी उर्फ छोटू पिता निरंजन सिंह रामपुरा टोली मतलोंग थाना मनिका का नाम बताया। वहीं पुलिस के द्वारा दोनों उग्रवादियों के निशानदेही पर विजय भुइयां पिता बरतु भुईयां बालूमाथ थाना क्षेत्र के रुद निवासी को गिरफ्तार कर लातेहार मंडल कारा भेज दिया गया है। एसपी ने बताया कि टीएसपीसी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सब ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पीओके को वापस लेने के बाद ही पूरी होगी वर्तमान सरकार की मुहिम : राजनाथ सिंह

श्रीनगर (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर की धरती से ऐलान किया कि पाकिस्तान के कब्जेवाले कश्मीर को वापस लेने के बाद ही जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय पूरा होगा। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और वर्ष 1947 में जम्मू-कश्मीर को कबाइलियों के हमले से बचाने के लिए भारतीय सेना को वहां पहुंचाये जाने की याद में मनाये जानेवाले शौर्य दिवस के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि यह यात्रा तभी पूरी होगी जब हम

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के, अन्य हिस्सों के साथ गिलगित, बाल्टिस्तान को भी वापस ले लेंगे। राज्य का विशेष दर्जा खत्म किये जाने के बाद यहां एक नयी शुरुआत हुई है, यह तो बस शुरुआत भर है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अब एक के बाद एक विकास के नये आयामों को छुयेंगे। लेकिन यहां मैं कहना चाहूंगा कि हमने इन क्षेत्रों का विकास अभी शुरू ही किया है और अब हम उत्तरी इलाकों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा तब पूरी होगी जब भारतीय संसद में 22 फरवरी 1949 को सर्वसम्मति से पारित किये गये प्रस्ताव को लागू कर देंगे और उसके हिसाब से बाकी बचे हिस्सों जैसे गिलगित और बाल्टिस्तान के साथ दूसरे हिस्सों को भी अपनी जद में ले आयेंगे।

दो अलग-अलग घटनाओं में पांच की मौत

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में गुरुवार को दो घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गयी। जिले के मुफस्सिल थाना के उदनाबाद गांव में नहाने के दौरान दो बच्चे की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि गांव के दो बच्चे उसरी नदी में स्नान करने के लिए गये हुए थे जहां डूबने से दोनों की मौत हो गयी। इधर, गिरिडीह, धनबाद पथ पर तारा टांड थाना क्षेत्र के बड़की टांड जंगल के पास दो वाहनों की सीधी टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी। मरनेवालों में दो पुरुष और एक महिला शामिल है। इस हादसे में लगभग आधा दर्जन लोग घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हंसडीहा में एलपीजी गैस भरा टैंकर दुर्घटनाग्रस्त, लगी आग

आग लगने से हुआ विस्फोट, तीन यात्री बसें भी जलकर हुईं खाक

नवीन मेल संवाददाता

दुमका। दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरमाहाट के निकट गुरुवार को एक लाइन होटल के पास एलपीजी गैस भरे टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें आग लग गयी और तेज आवाज के साथ विस्फोट हो गया। बताया जा रहा है कि ये हादसा टैंकर के अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकराने की वजह से हुआ। आग की भयंकर लपटों से पास में खड़ी एक ही कंपनी की तीन बसें भी इसकी चपेट में आ गयीं और धू-धूकर जल गयीं। इस हादसे में कुछ लोग भी झुलसे हैं, जो घटनास्थल के आसपास थे। टैंकर में विस्फोट से आसपास के पेड़ों की टहनियां भी टूट कर उड़ गयीं तथा कई पेड़ों में आग लग गयी। रह-रहकर विस्फोट से टैंकर के चदरे दूर-दूर तक उड़ते रहे। बिजली के पोल और तार के टूटने से इलाके में बिजली की आपूर्ति भी ठप हो गयी है, वहीं उच्च क्षमता वाली लाइन को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे महारो ग्रीड से सरैयाहाट पावर सब स्टेशन की आपूर्ति ठप हो गयी है। आग की लपटें तीन-चार किमी दूर से दिख रही थीं। थोड़ी देर के लिए जसीडीह से गोड्डा जानेवाली लोकल पैसेंजर ट्रेन को एहतियात के तौर पर नोनीहाट स्टेशन में रोक दिया गया, वहीं सड़क पर आवागमन बंद करा दिया गया। अग्निशमन दस्ते ने घटनास्थल पर पहुंच कर बड़ी मशक्कत से आग को और ज्यादा फैलने से रोका है।

इन्फेंट्री दिवस पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार को इन्फेंट्री दिवस के मौके पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रत्येक वर्ष 27 अक्टूबर को सेना की सबसे बड़ी इकाई पैदल सेना के सम्मान में इन्फेंट्री दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल चौहान के अलावा सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू और कर्नल ऑफ रेजिमेंट्स ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। विभिन्न शौर्य पदकों से अलंकृत तीन भूतपूर्व सैनिकों लेफ्टिनेंट कर्नल राम सिंह शरण कीर्ति चक्र (सेवानिवृत), सूबेदार मेजर और मानद कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव परमवीर चक्र (सेवानिवृत) और सिपाही सरदार सिंह वीर चक्र (सेवानिवृत) ने भी भूतपूर्व सैनिकों की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने उधमपुर, अहमदाबाद, वेलिंग्टन और शिलांग से दस दिन पहले आजादी का अमृत महोत्सव पर रवाना की गयी मोटरसाइकिल रैलियों का भी युद्ध स्मारक पर स्वागत किया। इन मोटरसाइकिल सवारों ने दस दिन में आठ हजार किलोमीटर से अधिक दूरी तय की है। इन्फेंट्री महानिदेशक ने अपने संदेश में सैनिकों से ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

स्वास्थ सचिव ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्वास्थ सचिव डॉ अरुण कुमार गुरुवार को पलामू पोखराहा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहीं उन्होंने जांच के उपरांत कार्य में अनियमितता बरतने को लेकर मेडिकल कॉलेज के कुछ कर्मियों को निलंबित किया। इसके बाद उन्होंने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल में फिलहाल बिल्कुल साफ सफाई है। लेकिन अस्पताल के मरीजों से सचिव ने पूछा तो पता चला कि कोई साहेब आने वाले है। इसे लेकर दो दिन से सदर अस्पताल की साफ-सफाई की गयी है। मरीजों ने बताया कि दो दिन पहले अस्पताल में इतनी गंदगी और बदबू था कि यहां के मरीज को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। निरीक्षण के क्रम में प्रधान सचिव ने अस्पताल प्रबंधक को अस्पताल की प्रतिदिन नियमित साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया। वहीं बर्न वार्ड का निरीक्षण कर सचिव ने जल्द इसे सुचारु रुप से चालू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, ओपीडी, मेडाल, एक्सरे रूम, ऑक्सीजन प्लांट, कोविड टीकाकरण केंद्र आदि का निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उसके बाद प्रधान सचिव ने सदर अस्पताल के सभागार में स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा की। यहां बताते चले कि प्रधान सचिव कुछ दिन बाद सदर अस्पताल का भौतिक सत्यापन कर इसकी सूचना स्वास्थ मंत्री को देंगे। अरुण कुमार सिंह ने कहा कि तत्पश्चात सरकार द्वारा अस्पतालों की बेहतरीन कवायद जल्द शुरू की जाएगी। वही स्वास्थ सचिव से लोगों ने यह भी बात पूछा कि महिला वार्ड में गरीब महिलाओं से प्रसव के दौरान अवैध पैसे की मांग की जाती है। इस पर स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि यदि महिला वार्ड में पैसे की मांग की जाती है तो इसकी सूचना सिविल सर्जन को दें। यदि सिविल सर्जन द्वारा कार्रवाई नहीं किया जाता है तो यह सूचना तुरंत हमें दें। कार्रवाई कर महिला वार्ड में कार्यरत नर्स को तुरंत हटाया जाएगा। वहीं प्राइवेट एंबुलेंस चालकों ने स्वास्थ्य सचिव को एक ज्ञापन देकर कहा है कि अस्पताल में एंबुलेंस लगाने पर पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली की जाती है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि प्राइवेट एंबुलेंस किसी भी हालत में अस्पताल परिसर में नहीं लगेंगे यहां केवल सरकारी एंबुलेंस ही लगाने का अनुमति है। मौके पर डीडीसी मेघा भारद्वाज, अस्पताल अधीक्षक दिलीप सिंह, आरके रंजन, सिविल सर्जन विजय सिंह, डीपीएम दीपक कुमार, अवधेश सिंह, संजय कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विश्व भर में पिघल रही बर्फ से आ सकती है अगली महामारी

- आरएनएम

नयी दिल्ली। प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी बीः बायोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में कहा गया है कि अगली महामारी विश्व भर में पिघल रही बर्फ से आ सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार ग्लेशियर की बर्फ घट रही है, जिससे इसमें जमे वायरस-बैक्टीरिया बाहर आ सकते हैं और वे इंसान, जानवर, पौधों को संक्रमित कर सकते हैं। जिससे महामारी फैल सकती है। मिट्टी के जेनेटिक विश्लेषण से पता चला है कि दुनिया में तेजी से बर्फ पिघलने के कारण नये वायरस के फैलने का खतरा है। यह जानने के लिए आर्कटिक के तालाब से सैंपल लिये गये। इसके लिये वैज्ञानिकों की टीम ने कनाडा में स्थित फ्रेशवॉटर लेक के आर्कटिक सर्कल के सबसे बड़े तालाब लेक हेजन से सैंपल इकट्ठा किये। इसमें मिलनेवाले आरएनए और डीएनए को अब तक मिले वायरस से मैच किया गया। शोधार्थियों के अनुसार ग्लेशियर जैसे-जैसे पिघलेंगे, वैसे-वैसे इनमें मौजूद वायरस बाहर आयेंगे और इंसानों को संक्रमित करेंगे। शोध में आर्कटिक के इलाके को इसलिए चुना गया क्योंकि यहां की बर्फ दूसरे बर्फीले इलाकों के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रही है। यहां का तापमान ज्यादा गर्म है और वायरस इंसानों, जानवरों या पेड़ पौधों में फैलने की आशंका भी ज्यादा है। इसी तरह 2021 में एक शोध में वैज्ञानिकों ने 33 वायरस की खोज की थी। जो 15 हजार वर्ष से बर्फ में जमे थे। इनमें से 28 वायरस एकदम नये थे। इन्हें पहले कभी नहीं देखा गया था। ये सभी तिब्बत के ग्लेशियर से निकले थे। यह ग्लेशियर ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण पिघल गया है।